106489 - आधुनिक उपकरणों के द्वारा चाँद देखने में कोई आपत्ति नहीं है

प्रश्न

क्या नग्न आँखों के द्वारा ही चाँद देखना ज़रूरी है, या कि हम दूरबीन, आधुनिक उपकरणों और वेधशालाओं का उपयोग कर सकते हैं?

विस्तृत उत्तर

''शरीअत के प्रमाणों का प्रत्यक्ष अर्थ यह है कि लोगों को इन उपकरणों के द्वारा चाँद देखने का बाध्य न किया जाए, बल्कि आँख से देखना पर्याप्त है। किंतु जिसने उनके द्वारा चाँद देखा और वह इस बात से सुनिश्चित है कि उसने उसे उनके माध्यम से सूर्यास्त के बाद देखा है और वह एक न्याय प्रिय मुसलमान है तो मैं उसके चाँद देखने पर अमल करने में कोई रूकावट नहीं जानता हूँ, क्योंकि यह आँख की दृष्टि से है, हिसाब (गणना) के अध्याय से नहीं है।'' अंत हुआ।

फ़ज़ीलतुश शैख अब्दुल अज़ीज़ बिन बाज़ रहिमहुल्लाह

''मजमूओ फतावा व मक़ालात मुतनौविआ'' (15/68, 69).